दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
हिन्दी-अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 278 मुरादाबाद, 05 February 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बिल गेट्स ने रोटी बनाई, चटखारे लेकर खाई, अब पीएम मोदी की प्रतिक्रिया भी आई

इस वीडियो को अपलोड होते ही ट्विटर पर ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग देख चुके थे। वीडियो में गेट्स ने कहते हैं कि वह वह लंबे समय के बाद खाना बना रहे हैं। गेट्स ने रोटी अंडे के आकार की बनाई थी, जिसके बाद हालांकि ईटन गेट्स को कहते हैं कि रोटी गोल बेली जाती है। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक और अरबपति बिल गेट्स के रोटियां बनाने का वीडियो काफी वायरल हो चुका है। इसमें बिल गेट्स, शेफ ईटन बर्नथ के साथ है और चम्मच से आटा गूंथते दिख रहे हैं। वीडियो में गेट्स रोटियां भी बेलते हैं और फिर रोटी को घी के साथ चटकारे लेकर खाते हैं। इस वीडियो को शेफ ईटन बर्नथ ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। अब इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया भी आई है। उनकी टिप्पणी भी सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रही है।

क्या बोले पीएम मोदी?

पीएम मोदी ने गेट्स के रोटी बनाने की कोशिशों की तारीफ करते हुए कहा, शानदार, भारत में बाजरे की भी काफी डिशेज हैं, जिन्हें आप बना सकते हैं।卐 अपने ट्वीट के जरिए पीएम ने माइक्रोसॉफ्ट संस्थापक को बाजरे की बढ़ती लोकप्रियता से अवगत कराने की कोशिश की है। इस ट्वीट में पीएम ने स्माइली इमोजी का भी इस्तेमाल किया है।

शेफ बर्नथ ने शेयर किया था वीडियो

गौरतलब है कि ईटन बर्नथ ने अपने ट्विटर अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, ञबिल गेट्स और मैंने साथ में भारतीय रोटी बनाकर खूब मस्ती की। मैं अभी बिहार, भारत से वापस आया हूं, जहां मैं एक किसानों से मिला। मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूं और दीदी की रसोई कैंटीन की महिलाओं को भी, जिनकी बदौलत मैं रोटी बनाने में माहिर हो सका हूं। वीडियो की शुरुआत में शेफ ईटन बर्नथ माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स का परिचय करवाते हैं। फिर वह गेट्स को नई डिश यानी भारतीय रोटी के बारे में बताते हैं। इसके बाद बिल गेट्स आटा गूंथते और रोटियां बेलते नजर आते हैं। इसी बीच बर्नथ, गेट्स को बताते हैं कि उन्होंने रोटी बनाना भारत यात्रा के दौरान बिहार में रोटी बनाना 卐दीदी की रसोई卐 की महिलाओं से सीखा था। उन्होंने कहा कि मैं भारत में गेहूं की खेती करने वाले किसानों से भी मिला था।

बिल गेट्स ने की भारतीय रोटी की तारीफ

इस वीडियो को अपलोड होते ही ट्विटर पर ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग देख चुके थे। वीडियो में गेट्स ने कहते हैं कि वह वह लंबे समय के बाद खाना बना रहे हैं। गेट्स ने रोटी अंडे के आकार की बनाई थी, जिसके बाद हालांकि ईटन गेट्स को कहते हैं कि रोटी गोल बेली जाती है। वीडियो में इसके बाद दोनों ने रोटी को तवे पर सेंका और इसमें घी लगाकर चटकारे लेकर खाई। बिल गेट्स ने भारतीय रोटी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी है! बहुत स्वादिष्ट।

योगी आदित्यनाथ, बोले- ज्ञान के लिए द्वार खुला रखें

सीएम ने बताया कि जीआईएस में केवल शिक्षा के ही एक लाख 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। नए विश्वविद्यालय व शिक्षा के केंद्र मॉडल के रूप में स्थापित होंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी भारत की आध्यात्मिक व धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल है और इसका प्रतिनिधित्व देश व दुनिया के सामने करता है। यूपी को असीम संभावनाओं वाला प्रदेश माना गया है। भारत ने वैश्विक मंच पर दुनिया को जो नेतृत्व दिया है, उसमें जिस क्षेत्र को हम विस्मृत कर देते हैं, वह शिक्षा का क्षेत्र है, जिसमें भारत विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित था और यूपी उसकी आधार भूमि थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को हायर एजुकेशन कॉन्क्लेव में शामिल हुए। सीएम ने कॉन्क्लेव से ठोस परिणाम आने की भी उम्मीद जताई। सीएम ने कहा कि भारतीय मनीषा ने जब उद्घोष किया होगा कि आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वत, वह प्रेरणा थी कि ज्ञान जहां से भी आए, उसके लिए द्वार खुला रखो। 2020 में जब दुनिया कोरोना से त्रस्त थी, तब भी इस बात का अहसास आया होगा। उस समय पीएम मोदी ने देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर पुरातन शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु होने के अहसास को प्रस्तुत किया। यूपी जैसे राज्यों में इस कॉन्क्लेव से ऐसे कार्यक्रम को भी बढ़ा सकते हैं। सीएम ने कहा कि हम समाज की जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते। मंत्री हो या आमजन, सबके लिए एक ही एक्ट व व्यवस्था है। हमारे पास अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, डिजिटल लाइब्रेरी हो और अच्छा माहौल विश्वविद्यालय को दें, लेकिन ध्यान रखें कि भारतीय मूल्यों व आदर्शों से भटकाव की नौबत न आए। ध्यान रहना चाहिए कि ऐसे कोई कार्य न हो कि कैंपस में राष्ट्रीयता से विपरीत नई धारा को जन्म मिले।

जीआईएस के लिए अब तक शिक्षा के 1 लाख 57 हजार करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके

सीएम ने बताया कि जीआईएस में केवल शिक्षा के ही 1 लाख 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। नए विश्वविद्यालय व शिक्षा के केंद्र मॉडल के रूप में स्थापित होंगे। सीएम ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्लायों के कैंपस स्थापित करने की स्वतंत्रता दे रही है पर क्या हम इसके लिए तैयार हो पाए हैं। हमें नया माहौल देना होगा। हमने शोध की प्रक्रिया को बाधित क्यों किया। डाक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया की बाधा को हटाना पड़ेगा। इस दिशा में नए सिरे से काम करना होगा। इनोवेशन के लिए युवाओं को प्रेरित करना होगा।

दोगुनी हुई यूपी की अर्थव्यवस्था

सीएम ने कहा कि 5-6 वर्षों में यूपी ने लंबी यात्रा प्रारंभ की है। इस दौरान यूपी की अर्थव्यवस्था लगभग व प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है। यहां न केवल कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतरीन हुई, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के भी नए मॉडल खड़े किए गए हैं। आज यूपी ने जब पीएम मोदी के विजन को बढ़ाने के लिए वन ट्रिलियन इकॉनमी बनाने की दिशा में नए प्रयास प्रारंभ किए हैं तो शिक्षा के क्षेत्र में असीम संभावनाओं को बढ़ाने में हम योगदान दे सकते हैं। उसे नई उड़ान देने के लिए यूपी में केंद्रीय, राज्य व निजी विश्वविद्यालय ने अच्छे प्रयास प्रारंभ किए हैं। रिसर्च के कुछ मॉडल दिए हैं। नए मानक गढ़े हैं। उस दिशा में विस्तृत मनन हो सके, ज्ञान का आदान-प्रदान कर सके, स्रोत व नवाचार को सूबे के हर कोने तक विस्तार देकर यूपी को फिर से शिक्षा के बेहतरीन केंद्र के रूप में विकसित कर सकें।

बड़े से बड़ा प्रोजेक्ट लेने के लिए हमें हाथ नहीं फैलाना होगा

सीएम ने कहा कि यूपी देश में रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। अपनी आय को दोगुना कर चुका है। हमें आज बड़े से बड़ा प्रोजेक्ट लेना हो तो हाथ नहीं फैलाना होगा, बल्कि राज्य अपने दम पर तत्परता से बढ़ सकता है। इसके लिए हमने यूपी की संभावनाओं को टटोला। हमने तीन सेक्टर को चिह्नित किया। यूपी के पास सबसे बड़ी उर्वरा भूमि है, सबसे अच्छा जल संसाधन है। पहले किसी को शासन की योजनाओं की जानकारी नहीं थी। छह वर्ष में प्रयास प्रारंभ हुए। देश की 16 फीसदी आबादी यूपी में है, लेकिन कृषि योग्य भूमि हमारे पास केवल 11 फीसदी है। इस भूमि में यूपी आज देश के लिए अकेले 20 फीसदी फूड खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है। हमारे पास हर जनपद में आज कृषि विज्ञान केंद्र है। राज्य सरकार की तरफ से 4 कृषि विश्वविद्यालय संचालित हैं। इन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने के साथ ही नए रिसर्च प्रारंभ हुए। इन पर कार्य करेंगे तो यूपी में कृषि योग्य भूमि पर तीन गुना खाद्यान्न उत्पन्न करने का सामर्थ्य रखते हैं। इसके लिए कृषि के नए स्टार्ट अप स्थापित करने की दिशा में करना होगा और विश्वविद्लयों को केंद्र बिंदु बनाना होगा।

दम तोड़ रहा था एमएसएमई, हमने दी बड़ी ऊंचाई

सीएम ने कहा कि यूपी के पास एमएसएमई का सबसे बड़ा बेस था, लेकिन दम तोड़ रहा था। 2017 में वेतन देने के पैसे नहीं थे। हमने कार्य प्रारंभ कर उसे ओडीओपी के रूप में प्रमोट किया, ब्रांडिग की, बाजार दिया, नई डिजाइन व तकनीक दी। जो लोग पहले कैरोसीन व डीजल से संचालित करते थे, उन्हें बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई। परिणाम स्वरूप यूपी का एक्सपोर्ट दोगुने से ज्यादा हुआ। आज 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का एक्सपोर्ट एमएसएमई कर रहा है। इसमें भी नए स्टार्ट अप स्थापित करने की संभावना है। यूपी के पास 96 लाख यूनिट है। अलग-अलग जगह की अलग-अलग संभावनाएं हैं। यूपी के पास स्किल पावर है।

भारत में यूपी सबसे युवा राज्य है

सीएम ने कहा कि दुनिया में भारत सबसे युवा राष्ट्र है तो भारत में यूपी सबसे युवा राज्य है। सबसे अधिक युवा हमारे पास हैं। उनमें अनंत संभावनाएं हैं, उसे आगे बढ़ाना है। सीएम ने पूछा कि इंस्टीट्यूशन इंडस्ट्री के साथ शुरू से ही एमओयू क्यों नहीं होता है। इसके लिए प्रयास करना होगा। विश्वविद्यालय लोकल स्थितियों पर क्यों काम नहीं कर सकते। बहुत बार देखता हूं कि बड़ा प्रोजेक्ट करना होता है तो सोशल इम्पैक्ट स्टडी करानी पड़ती है, यह काम हमारा एक भी विश्वविद्यालय क्यों नहीं कर पाता है। हमारी शिक्षा में कोई न कोई खामी जरूर होगी। हम सक्षम बनाने में विफल हुए हैं। हम चाहते हैं कि हमारे केंद्रीय, राज्य व निजी विश्वविद्यालय इस पर काम करें। हमारा पास स्टडी होनी चाहिए। उनके सामाजिक, भौगोलिक स्थिति का अध्ययन आपके पास होना चाहिए। यूएन 2030 तक सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स को अचीव करने का लक्ष्य दुनिया को देता है तो क्या यह कार्य सिर्फ सरकार का है, संस्थाएं इन जिम्मेदारियों को लेकर इस कार्यक्रम से जुड़ पाएंगी।

www.knlslive.com

इंसेफेलाइटिस पर हमने 95 फीसदी से अधिक अंकुश लगाया

सीएम ने कहा कि लंबे समय तक गोरखपुर में सांसद के रूप में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। वहां इंसेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष हजारों मौत होती थी। 40 वर्ष तक मौत का सिलसिला चलता रहा। पूर्वी यूपी के किसी विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज या डॉक्टर ने उस पर रिसर्च पेपर नहीं लिखा। मैं जूझता रहा, लड़ता रहा। सत्ता में थे तो सरकार का ध्यान आकर्षित करता था, लोगों को संसाधन उपलब्ध कराता था, विपक्ष में थे तो सड़कों पर आंदोलन करता था। 2017 में जब मुख्यमंत्री का दायित्व मिला तो मैंने कहा कि अब मुझे इसका समाधान निकालना होगा। मेरा अनुभव पास था, मैंने अंतर विभागीय समन्वय के लिए टीम बनाई। सीएम ने कहा कि उपचार से महत्वपूर्ण जागरूकता है। तब तक स्टडी नहीं थी। 40 वर्ष में 50 हजार मौत के बावजूद उस बीमारी पर कोई रिसर्च नहीं था। वहां के 10 हजार चिकित्सक निजी प्रैक्टिस करते हैं, वहां कई विश्वविद्यालय हैं, उनके पास कोई अध्ययन नहीं था, क्योंकि समाज से हमारा वैराग्य भाव था। हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भाव नहीं आता, हर व्यक्ति नौकरी तक खुद को सीमित कर लिया। इतने वर्षों के बाद जब हमने कार्य प्रारंभ किया तो सबसे पहले कुशीनगर में अभियान चलाया। वहां डेटॉल कंपनी के साथ साबुन बांटे। उन्होंने आगे कहा कि मेरे खिलाफ तीन दिन तक मीडिया में अभियान चला कि गरीबों का अपमान हो रहा है। मैंने कहा कि बोलने की आवश्यकता नहीं, यह समझ न पाएंगे। हम जिस अभियान को लेकर चल रहे हैं। स्वच्छता के वृहद अभियान को मिशन मोड में उठा लिया। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति कराई, शौचालय बनवाए, चिकित्सालयों की व्यवस्था को सुदृढ़ किया, सर्विलांस को बेहतर किया। परिणाम है कि जिस बीमारी से प्रतिवर्ष 12 00से 1500 मौत होती थी, आज हमने उस पर 95 से 97 फीसदी अंकुश लगाया। पहले स्टडी हुई होती तो कई बच्चों की जानें बच सकती थीं।

बाल विवाह के खिलाफ अभियान पर भड़के ओवैसी, पूछा- जिनकी शादी हो चुकी है, उन लड़कियों का आप क्या करेंगे?

ओवैसी ने कहा कि जिनकी शादी हो चुकी है उन लड़कियों का आप क्या करेंगे? उनकी देखभाल कौन करेगा? आपने (असम सरकार) 4,000 मामलें दर्ज किए। आप नए स्कूल क्यों नहीं खोल रहे हैं? असम में भाजपा की सरकार मुसलमानों के प्रति पक्षपाती है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम सरकार पर जमकर निशाना साधा। दरअसल, असम में 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत

मामला दर्ज किया जाएगा। 14-18 साल की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध घोषित किया जाएगा। अगर लड़के की उम्र भी 14 साल से कम होगी तो उसे सुधार गृह भेजा जाएगा। इसी मामले में ओवैसी ने कहा कि जिनकी शादी हो चुकी है उन लड़कियों का आप क्या करेंगे? उनकी देखभाल कौन करेगा? आपने (असम सरकार) 4,000 मामले दर्ज किए। आप नए स्कूल क्यों नहीं खोल रहे हैं? असम में भाजपा की सरकार मुसलमानों के प्रति पक्षपाती है। उन्होंने ऊपरी असम में भूमिहीन लोगों को जमीन दी, लेकिन निचले असम में ऐसा क्यों नहीं कर रहे?

संपादकीय Editorial

Ideal training for legislators

Himachal Pradesh Assembly Speaker Kuldeep Singh Pathania is reviewing about one-third of the assembly seats, new legislators and meeting the need to hone the skills of the legislature. There can be many styles of training, where the emphasis is on the language of democracy and the decorum of conduct. The Speaker of the Legislative Assembly is underlining the democratic duty of an ideal legislator by offering the rules of the house, the outline of legislative functions and the privileges of the honorable, from the list of constitutional subjects. Obviously, the way the moments of excitement are increasing in the atmosphere of the House, the evaluation of the people's representatives is not getting a high place in front of the public. Although Himachal Vidhansabha has its own best traditions and said and heard here, but in recent years the role of the opposition has often been underlined in the competition to say outside the house. If the exits of opposition members are coming to the fore in the review of any session, then it is an insult to public money and public expectations. It is up to the ruling party to decide to what level it wants to take the hot topics of debate in the proceedings of the House or which way it takes to carry out the scheduled business of the Legislature. There are many general issues and public demands on which only the proceedings of the assembly can introduce the debate of the house and the vision of the people's representatives. Who in Himachal would not want more and more discussion on unemployed youth, education and medical services, stray animals, monkeys, development and regional possibilities, but since the House has started crumbling, the enthusiasm of the MLAs is coming out of the House in the slogans of walkout. Is thought. Undoubtedly, the new MLAs have reached the Vidhansabha after being politically successful in every stake, but apart from this, practice, study and work style will have to be developed to make their democratic role a strong medium. Many senior MLAs who have won four to six times in the current assembly can teach many lessons, but both the parties will need to look into the scenes that emerge due to political reasons. The way the MLA's primary plans are discussed, in the same way the government is accountable to each assembly. Due to various reasons, such a history is being made within the assembly, due to which the exploitation of political bitterness becomes a sign of every session. When the MLAs bring forth their priorities for the state, the vision of Himachal seems to be giving priority to different subjects. For example, there are some works in the state where there should be no walls between the government and the opposition, but a practice of mutual cooperation is needed.

Nimrit's team shared such a video, trolls said - a little turmeric does not make a lion

Nimrit Kaur Ahluwalia has been one of the most talked about contestants of this season. She comes in the limelight for her fight with Priyanka and sometimes for her troupe. Nimrit Kaur Ahluwalia is often accused on social media that she never played alone and also Bigg Boss gave her the finale ticket as a bailout. Recently Nimrit Kaur Ahluwalia's team has shared a video on her Instagram account. After watching this video, the actress has come under the target of trollers on social media. Nimrit Kaur Ahluwalia's team shared the video- On one hand, where the celebrity contestants are playing their game inside the house, on the other hand, their team is busy promoting them. Recently, the nomination task was played in the house and in this task, Archana fiercely put turmeric in the faces and eyes of the troupe members. After reaching the finale of Archana, someone told this game right, then someone wrong, but in the meantime Nimrit's team has shared a video. In this video, the team of Nimrit Kaur Ahluwalia edited the video related to this task and posted it. After watching this video, some people supported Nimrit, while some people were seen trolling her. Users trolled Nimrit on social media- After watching this video, some people are trolling Nimrit Kaur Ahluwalia fiercely. Commenting on this edited video, a user wrote, 'Jaisi karni waisi bharni'. Another user wrote, 'At least Priyanka left her task and helped you and what were you saying 'leave it if there is a problem', this is called humanity'. Another user wrote, 'She to Bigg Boss stopped the task, otherwise Nimrit would have been the first to leave in this task'. Another user wrote, 'A little turmeric on the face doesn't make a lioness'. However, amid all this trolling, Nimrit Kaur Ahluwalia's fans have come out in her support and are calling her a lioness. Let us tell you that Nimrit is the first finalist of this season.

Neha Raj-Mahi Srivastava's new song 'Dil Tohre Bhiri Chhotal Ba' released, rocking YouTube

These days new songs are being released one after the other in Bhojpuri cinema. Meanwhile, a new song by Neha Raj and Mahi Srivastava has been released. This song of Neha and Mahi is creating a buzz as soon as it is released. Fans are very fond of this song. The title of this song of Neha and Mahi is 'Dil Tohre Bhiri Chhotal Ba'. The lyrics of the song are very good. At the same time, this song is not only being heard on YouTube, but fans are also liking it fiercely. Mahi's killer smile made the audience crazy - Neha Raj and Mahi Srivastava's Bhojpuri song 'Dil Tohre Bhiri Chutal Ba' has been released from the official YouTube channel of Worldwide Records. The lyrics of the song are very good. At the same time, this song is not only being heard on YouTube, but fans are also liking it fiercely. Mahi's killer smile made the audience crazy - Neha Raj and Mahi Srivastava's Bhojpuri song 'Dil Tohre Bhiri Chutal Ba' has been released from the official YouTube channel of Worldwide Records

This Bhojpuri song is sung by Neha Raj while it is picturized on Mahi Srivastava. Like always, Mahi's killer smile is making the audience go crazy for her in the song.

Mahi is looking very beautiful in a dark blue saree in the song.

The look of these actors came out from Ajay Devgan's Bhola, you will get goosebumps seeing the dangerous style

After the success of Drishyam 2, Ajay Devgan is all set for his upcoming film pair again on screen in this film. Bhola has so far released powerful posters has received a lot of appreciation from the audience. Now recently Vineet Singh and Deepak Dobriyal from this film. The goosebumps. You must not have seen this avatar Gajrao Rao, Deepak Dobriyal and superstar Ajay Devgan on his Ajay Devgan is of of Nithari in of this of power Gajraj Rao, who played different characters in films like Badhaai Ho and Maza Ma, is seen in different look in the first poster of Ajay Devgan's film 'Bhola'. poster and the evil is clearly visible in his eyes. He is smiling of this poster reads, 'Kaun Banega Crorepati Khele Huye Agar Itni Dhan Rashi Ka'. Apart from this, you will be scared to see laugh with his comedy. Sharing his poster, Ajay Devgan person in sheep's skin, we will cut his you goosebumps'. Bhola will be day - Ajay Devgan 34, is once again director's chair. Ajay Devgan film will be theaters on 30 Apart from 2D, being released in 3D After seeing these now people are eagerly the film.

'Bhola'. Fans are eagerly waiting to see his and Tabu's of Ajay Devgan and Tabu as well as its teaser, which the makers have released the poster of Gajraj Rao, first look of all the three is very dangerous and gives of Gajraj Rao and Vineet Singh - The first look of Vineet Singh has been shared by Bollywood Instagram account. The first poster shared by Vineet Singh. Vineet Singh is playing the role 'Bhola'. With big eyes and burnt face, this look Vineet is going to leave you shivering. Sharing poster, Ajay Devgan wrote, 'We are devotees blood, make this police station a crematorium, never underestimate the of darkness, this is the devil of Bhola'. Rao's 'Bhola' look Most unique - Gajraj a completely He has a side look in this dimly in the poster. The caption Aap Crorepati Ban Gaye To Kya Kejiyega this look of Deepak Dobriyal, who makes everyone introduced him and wrote, 'Tell me the name of that ghostly neck'. These three posters will give released in theaters on this Shivaay, after Runway handling the Tabu and starrer this released in March 2023. this film is also IMAX theatre. interesting posters, waiting for the trailer of

अखिलेश बोले- रामपुर के लोग तय कर लेते तो यहां भी सपा की जीत होती, आजम खां बोले- मैनपुरी में गोली नहीं चलती है

मुरादाबाद-मुरादाबाद में एक शादी समारोह में पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जमकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा बेईमान पार्टी है। मैनपुरी लोकसभा चुनाव में भी अधिकारियों ने सरकार के इशारे पर सपा को चुनाव हराने की साजिश रची जा रही थी, लेकिन वहां की जनता ने यह तय कर लिया था कि वोट डालने के लिए हर हाल में निकलना है चाहे जान क्यों ना चली जाए।

अखिलेश को आजम खां ने बीच में टोका

मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने आगे कहा कि रामपुर के लोग भी यदि इसी तरह तय कर लेते तो यहां भी समाजवादी पार्टी की जीत होती। इस पर आजम खान बीच में बोल पड़े। आजम खान ने कहा कि ऐसा नहीं है। हमने रामपुर में लोगों की जान बचाई है। आजम ने आगे कहा कि मैनपुरी में गोली नहीं चलती। यहां पुलिस प्रशासन गोली चलवाने पर आमादा हो जाता है। बता दें कि रामपुर में हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। आजम खान की कोर्ट ने विधायकी की सदस्यता खत्म कर दी थी। इसके बाद रामपुर में उपचुनाव हुआ था। बता दें कि भाजपा के आकाश सक्सेना ने समाजवादी पार्टी के आसिफ राजा को हरा कर उस सीट पर भाजपा का झंडा फहरा दिया था जहां मुसलमानों की आबादी ज्यादा है।

एक अधिकारी मेरा फोन नहीं उठा रहा है -अखिलेश

कन्नौज में एक घटना हुई लेकिन न्याय नहीं मिल सका। अधिकारी समय से कार्रवाई कर देते तो न्याय मिल सकता था। उन्होंने कहा कि आज सुबह जब मैं घर से निकल रहा था। एक पीड़ित परिवार मेरे पास आया। कि सपा के पूर्व प्रत्याशी रहे नेता को पुलिस ने उठा लिया है। मैं बरेली में घर से निकलने के बाद से अब तक वहां के अधिकारी को फोन कर रहा हूं लेकिन, अभी तक फोन नहीं उठा है। लोकतंत्र में यह सब ठीक नहीं है। अफसरों को जनता के हितों के लिए काम करना चाहिए न्याय करना चाहिए।

प्रतिदिन कार्यालय में एक घण्टा बैठकर जनशिकायतों को अवश्य सुने ताकि शासन की मंशानुरुप शिकायतों का समय से निदान हो

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील ठाकुरद्वारा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवसों में आने वाली जनशिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण न होने के कारण डिफाल्टर होने से जनपद की ग्रीडिंग खराब हो रही है, हमें न केवल शिकायतों का निस्तारण करना है बल्कि शिकायत कर्ता को सही बात बताकर संतुष्टि भी देनी है। उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण समय के साथ निस्तारण करें। मुख्यमंत्री कार्यालय से आईजीआरएस शिकायतों की निरन्तर मानीटरिंग हो रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रतिदिन कार्यालय में एक घण्टा बैठकर जनशिकायतों को अवश्य सुने ताकि शासन की मंशानुरुप शिकायतों का समय से निदान हो। उन्होंने कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं को ठीक प्रकार से क्रियान्वय करें, पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ अवश्य मिलें। उन्होंने कहा कि हम और बेहतर करने की दिशा में सब मिलकर प्रयास करें, ताकि जनपद का बेहतर फीडबैक बना रहें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आवेदकों द्वारा जो प्रार्थना पत्र प्रेषित किए जायें उनमें आवेदक का अथवा उसके किसी परिचित का मोबाइल नम्बर अनिवार्य रुप से दर्ज किया जाये। प्रार्थना पत्र दर्ज होने के पश्चात् सम्पूर्ण समाधान दिवस में आवेदन कर्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाये। आवेदन कर्ता की सुनवाई कर उसका तत्काल निस्तारण के यथा संभव प्रयास करना सुनिश्चित करें। समस्त अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने से संबंधित प्रार्थना पत्रों को उसी दिन प्राप्त करने के बाद ही तहसील कार्यालय छोडे। इसके साथ ही आवेदन पत्रों की प्राप्ति की पूरी व्यवस्था संबंधित तहसीलदार की देखरेख में की जाएगी तथा सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन के बाद उसी दिन सभी प्रार्थना पत्रों का कम्प्यूटर पर अंकन कराना भी संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रार्थना पत्र का कम्प्यूटरीकरण (स्कैनिंग, अपलोडिंग एवं विवरण फीडिंग) समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आई0जी0आर0एस0) (jansunwai.up.nic.in) से संबंधित सम्पूर्ण समाधान दिवस के पोर्टल पर किया जायेगा। शिकायती प्रार्थना पत्र पर अपेक्षित निस्तारण कार्यवाही व प्रगति की स्थिति भी संबंधित अधिकारी द्वारा आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर समय-समय पर अपलोड की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त आवेदन पत्रों का निस्तारण एवं अनुश्रवण के संबंध में निर्देशित किया है कि निजी भूमियों का सीमाकंन/पैमाइश, निजी भूमियों का अविवादित नामान्तरण, खतौनी में नाम व अन्य अशुद्धियों का शोधन, फर्जी बैनामें के आधार पर नामान्तरण/कब्जा, संबंधित शिकायतों को तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित लेखपाल की टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण किया जाये। राजकीय एवं सार्वजनिक उपयुक्त भूमियों यथा चकरोड, रास्ता, तालाब, खलिहान, नाली, चारागाह आदि पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे, निजी भूमियों पर अन्य भूमिधरों/सहखाते द्वारा अवैध कब्जा, पट्टे की भूमि पर कब्जा, आबादी भूमि में पानी का निकास व आवागमन अवयुक्त करने संबंधी शिकायतों का तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित थाने के हेड कांस्टेबल की टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण कराया जाये। गृह विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु प्रकरण संबंधित पुलिस उपाधीक्षक को सन्दर्भित कर दिया जाए तथा सामाजिक न्याय, विकास एवं अन्य विभाग से संबंधित शिकायतों को खण्ड विकास अधिकारी व संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वयं अथवा यथावाश्यक टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारण कराया जाये। गम्भीर एवं अतिसंवेदनशील मामलों का निस्तारण संबंधित उपजिलाधिकारी अथवा तहसीलदार द्वारा स्वयं यथावश्यक टैक्टर व जे0सी0बी0 मशीन का प्रयोग कर किया जाये और इन उपकरणों एवं मशीन के प्रयोग पर होने वाले व्यय सुसंगत नियमों के अर्न्तगत अथवा अवैध कब्जेदार से वसूला जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में से कम से कम 5 महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील शिकायतों को चिन्हित कर उनके निस्तारण हेतु मौके पर भेजकर उसी दिन निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाये।

आज तहसील ठाकुरद्वारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 35 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। समाधान दिवस में मुख्य रुप से आपसी भूमि विवाद की कृषि संबंधी शिकायतें अधिक संख्या में प्राप्त होने के साथ विद्युत, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

आज तुम याद बेहिसाब आए
आज सर्दी में जब थोड़ी धूप खिली
हवा में कुछ गर्माहट घुली
और सूरज थोड़ा बाहर आया
तो मुरझाए से सूरजमुखी ने
धूप को देख अपना चेहरा उस ओर घुमाया
धूप का कनेक्शन
मेरे पिता से भी कुछ ऐसा था
धूप जब आँगन में होती
तो उनकी कुर्सी
आँगन में पड़ी होती
स्वेटर पर शाल ओढ़कर
पूरी तन्मयता से उनकी आँखे
ऐनक लगाकर अख़बार में गड़ी होतीं
चाय पीकर चाय का कप
वो नीचे ही रख देते थे
जब धूप सरक कर सड़क पर चली जाती
तो हौले हौले वो भी
सूरजमुखी की मानिंद
सड़क की ओर चल देते थे।

■ इंद्रजीत कौर
गुरुग्राम

WWW.KNLSLIVE.COM

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मामूली कहासुनी पर कलयुगी पिता ने बेटे में तमंचे से ठोका फायर

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- मामूली कहासुनी पर कलयुगी पिता ने बेटे में तमंचे से ठोका फायर, गोली लगने से पुत्र हुआ लहूलुहान-आनन-फानन में कराया मेडिकल कॉलेज में भर्ती, मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के उपचार के दौरान युवक की हालत गंभीर देख किया हायर सेंटर रेफर, गोली लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी, गोली लगने से घायल कपिल उम्र 20 वर्ष पुत्र देवेश निवासी काशीराम कॉलोनी कोतवाली नगर बताया गया

गैंगस्टर एक्ट में दो आरोपीयों को 05-05 वर्ष के कारावास एवं 20,000-20,000 रुपये के जुर्माने की मिली सजा

निशाकांत शर्मा -दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- पुलिस की प्रभावी पैरवी एवं सतत निगरानी के चलते गैंगस्टर एक्ट के मामले में दो आरोपीयों को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय से 05-05 वर्ष के कारावास एवं ?20,000-20,000 रुपये के जुर्माने की मिली सजा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में जनपदीय मॉनिटरिंग सेल द्वारा लगातार निगरानी रखते हुए- आज दिनांक 03.02.2023 को अभियुक्त रोहताश पुत्र कृपाराम 2-शिव सिंह पुत्र हरदयाल निवासी गण अंगदपुर थाना सकीट जनपद एटा संबंधित मु0अ0सं0 253/2008 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सकीट एटा को दोषी पाते हुए मा0 न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट कक्ष सं0 02 द्वारा प्रत्येक अभियुक्त को 05-05 वर्ष के करावास एवं 20-20 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

एसीसी कांवेंट स्कूल एटा पर कार्यक्रम में पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- एसीसी कांवेंट स्कूल एटा पर कार्यक्रम में पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में एसीसी कांवेंट स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य अकरम खान ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों तथा एटा महोत्सव में वैरायटी शो कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विजेता छात्र छात्राओं को पुरुस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि अकरम खान ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगी कार्यक्रमों से बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक विकास तो होता ही है साथ साथ उनमें आगे बड़ने का उत्साह भी पैदा होता है, जो उनके आने भविष्य में सार्थक रूप निभाता है, इस अवसर पर विद्यालय की हैड इंचार्ज सिस्टर जैसलेट ने कहा कि बच्चों को इस तरह के कार्यक्रम में प्रतिभाग करते रहना चाहिए जिससे वे पढ़ाई के अलावा अन्य रूप में भी अपने आपको स्थापित कर सकें, इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय की इंचार्ज हैड व अन्य शिक्षिकाओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर श्रद्धा जैन, साक्षी जैन, उपासना सक्सेना, रीना गुप्ता, नंदिनी शर्मा, सिस्टर किरन, बबिता कुलश्रेष्ठ, ऋतु शर्मा, श्वेता तोमर, अजय प्रताप सिंह, सहित तमाम विद्यालय की शिक्षिकाएं सहित तमाम विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा

क्षमता से ज्यादा बन गए राशन कार्ड

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- नए राशन कार्ड को लेकर हाउस फुल हो गया। अब हालात यह है कि एक भी नए राशन कार्ड बनने की गुंजाइश नहीं है। कार्ड के लिए हर दिन प्रार्थना पत्र आ रहे हैं। हर आवेदन जांच में उलझा हुआ है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक जो मानक हैं उससे भी अधिक राशन कार्ड बन गए हैं। इस समय जिले में 13 लाख 42 हजार यूनिट से राशन कार्ड धारक हैं। सरकार ने राशन कार्ड बनने वाली साइड भी बंद कर दी है। कोरोना काल के समय से राशन कार्ड की डिमांड बढ़ गई, जो राशन कार्ड नहीं लेता था उसने भी राशन कार्ड को लगे हाथों बनवा लिया। सरकार की ओर से जारी निर्देश में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्र में 79.53 फीसदी तथा शहरी क्षेत्र में 64.43 फीसदी से अधिक राशन कार्ड नहीं बन सकते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के हिसाब से जिले की जनसंख्या करीब 18 लाख हैं। इसके लिए हिसाब से राशन कार्डों की संख्या 13 लाख के आसपास होनी चाहिए। इस आंकड़े के हिसाब से भी कार्ड की संख्या अधिक निकल गई। जिला पूर्ति विभाग के आंकड़ों को देखे तो ग्रामीण क्षेत्र में दो लाख 78 हजार 696 राशन कार्ड है। इसके बदले 11 लाख 79 हजार 695 यूनिट राशन कार्ड पर है। ऐसे ही शहरी क्षेत्र में 62 हजार 270 राशन कार्ड है। इनकी यूनिटों की संख्या एक लाख 62 हजार 270 है। जो मानक क्षमता से काफी अधिक है। शासन के निर्देश है कि वर्ष 2011 की जनगणना के हिसाब से राशन कार्ड होने चाहिए। इस समय जो राशन कार्ड वह क्षमता से अधिक हो गए है। ऐसे में नए राशन नहीं बन पा रहे है। वेब साइड भी इस समय बंद चल रही है। सत्यापन रिपोर्ट आने पर जो कार्ड गलत मिलते है उन्हें डिलीट कर दिया जाता है। उनका स्थान खाली होने पर नए पात्रों को राशन कार्ड दिए जाएंगें।

कमलेश गुप्ता, जिलापूर्ति अधिकारी एटा

पूर्ति विभाग करा रहा सत्यापन

विभाग जिले भर में राशन कार्डों की सत्यापन करा रहा है। कितने लोग अपात्र है। किसी की मृत्यु तो नहीं हो गई। इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। राशन कार्ड अपात्र मिले तो उन्हें निरस्त किया जाएगा।

राशन कार्ड बनने वाली साइड चल रही बंद

नए राशन कार्ड बनाने के लिए ऑन लाइन आवेदन किए जाते थे। इस पर स्वयं आवेदन कर सकते थे। काफी दिनों से यह वेबसाइड खुल ही नहीं रही। ऐसे में लोग अब नए राशन कार्ड बनवाने के लिए ऑफ लाइन आवेदन दे रहे है। ऑफ लाइन आवेदन देने के बाद भी एक भी राशन कार्ड नहीं बन पा रहा है। जनपद में करीब एक हजार राशन कार्ड बनने के आवेदन जांच में चल रहे है। जब तक जांच नहीं होगी तब तक यह नहीं बन सकते है। शहरी क्षेत्र के आवेदनों को जांच के लिए नगर पालिका में भेजा है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र के आवेदनों को तहसील में भेजा जाता है। वहां से जांच रिपोर्ट लगने के बाद यह राशन कार्ड बना पाते है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

रामचरित मानस विवाद: योगी के मंत्री की स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनौती, दम है तो कुरान पर टिप्पणी करके दिखाएं

रामचरित मानस की चौपाइयों पर उठा विवाद शांत नहीं हो रही है। इसी कड़ी में अब पर्यटन मंत्री ने स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि उनमें हिम्मत है तो कुरान पर टिप्पणी करके दिखाएं। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने श्री रामचरित मानस पर चल रहे विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो कुरान पर टिप्पणी करके दिखाएं। कहा कि सनातन संस्कृति पर चोट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह शनिवार को मैनपुरी पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर जिले की राजनातिक गतिविधियों को जाना। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। इसके बाद शिविर कार्यालय पर

पत्रकारों से वार्ता की।

देश प्रेमी सनातन संस्कृति पर चोट बर्दाश्त नहीं करेंगे

इस दौरान पर्यटन मंत्री ने कहा कि कुछ लोग सनातन संस्कृति को सबसे कमजोर समझ रहे हैं। हिंदुस्तान में रहने वाले राष्ट्र भक्त और देश प्रेमी सनातन संस्कृति पर चोट बर्दाश्त नहीं करेंगे। सनातन संस्कृति पर चोट करना राजनीतिक विषय नहीं है। भारतीय और सनातन संसकृति के खिलाफ टिप्पणी करने का हक किसी को नहीं है।

हर धर्म का आदर करती है सनातन संस्कृति

कहा कि धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघात करना भी ठीक नहीं है। सनातन संस्कृति तो वैसे ही हर धर्म का आदर करती है। सनातन संस्कृति को मानने वाले लोग किसी दूसरे धर्म का अनादर नहीं करते हैं। राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हमेशा ही रहेगा। किसी को भी सनातन संस्कृति पर चोट नहीं करनी चाहिए। ताकि, सनातन संस्कृति का पालन करने वालों की धार्मिक भावनाएं आहत न हों।

21 साल के बाद पिता-पुत्र का रेलवे स्टेशन पर हुआ मिलन, गले मिलकर रो पड़े दोनों, एक-दूसरे से पूछी बात

जीशान उस वक्त छोटा था। उसे उम्मीद थी कि उसके पिता जरूर मिलेंगे। इसी इंतजार में 21 साल का लंबा वक्त बीत गया। जीशान की मां अपने पति की राह देखते-देखते दुनिया छोड़ गईं। यह वाकया किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। एक बेटा जो अपने पिता की एक झलक पाने के लिए 21 साल से इंतजार कर था, उसकी मुराद जबलपुर रेलवे स्टेशन पर पूरी हो गई। पिता-पुत्र की जबलपुर के रेलवे स्टेशन पर मुलाकात हुई। दोनों एक-दूसरे के गले लगकर फूट-फूटकर रोए। यह दृश्य देखकर रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। लगभग 21 साल पहले रामपुर के यामीन मोहम्मद की अपनी पत्नी और सास से किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। इसके बाद वो घर छोड़कर चले गए थे। वो कहां चले गए इसकी किसी को खबर नहीं थी। किसी ने कहा कि मुंबई चले गए हैं तो किसी ने कहा दुबई में हैं। यामीन का बेटा जीशान उस वक्त छोटा था।

उसे उम्मीद थी कि उसके पिता जरूर मिलेंगे। इसी इंतजार में 21 साल का लंबा वक्त बीत गया। जीशान की मां अपने पति की राह देखते-देखते दुनिया छोड़ गईं। जीशान इस बात का पता लगाने में लगे रहे कि उनके पिता कहां हैं। दिसंबर माह में उनको पता चला कि उनके पिता जबलपुर में हैं। इसके बाद फोन पर उन्होंने अपने पिता से बात की। दोनों ने वादा किया था कि जल्द मिलेंगे। इसके बाद जीशान अपने पिता से मिलने के लिए जबलपुर के लिए रवाना हुए। 02 फरवरी को जबलपुर रेलवे स्टेशन पर जब जीशान ट्रेन से उतरे तो उनके पिता वहां पर उनका इंतजार कर रहे थे। दोनों एक-दूसरे के गले लगकर फूट-फूटकर रोए।

यामीन मोहम्मद ने अपने बेटे को देखकर कहा अरे मेरा बेटा कितना बड़ा हो गया है। वहीं जीशान ने कहा कि अब्बू आप तो काफी कमजोर हो गए हो क्योंकि जीशान की आंखों में अपने पिता की 21 साल पहले की छवि थी। इसके बाद पिता-पुत्र ने पिछले 21 सालों की बातों को साझा किया। इसके बाद जीशान वहां से लौट आए। उनका कहना है कि उनके वालिद ने वादा किया है कि वो अपनी बेटियों से मिलने जल्द ही रामपुर आएंगे।

मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना की बैठक सम्पन्न

लंकीन प्रसाद वर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती-जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ऐसे अधिष्ठान जहां पर 40 से अधिक कार्मिक संविदा पर कार्यरत हों, वहां पर न्यूनतम 2.5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक शिक्षु रखे जाएंगे। जिन्हें 01 वर्ष तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षुओं को प्रतिमाह प्रोत्साहन भत्ता भी दिया जायेगा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी अधिष्ठानों को वेब पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा और शिक्षु संख्या निर्धारित होने पर उतने शिक्षुओं को रखना अनिवार्य होगा। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि उद्योग विभाग द्वारा प्रत्येक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एम0एस0एम0ई0) इकाई का पंजीकरण कराकर शिक्षुओं को रोजगार दिया जाये। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों के माध्यम से भी शिक्षुओं की भर्ती जिसकी प्रत्येक माह आयोजित होने वाली उद्योग बन्धु की बैठक में समीक्षा भी की जायेगी। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि अप्रेंटिसशिप के लिए जनपद के सभी विकास खण्डों में कैम्प का आयोजन कर शिक्षुओं की भर्ती सुनिश्चित की जाए। उन्होने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिुओं की भर्ती कर अनुपालन आख्या 10 दिवस में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, उप निदेशक कृषि कमल कटियार, अधिशासी अभियंता विद्युत डी0पी0 सिंह, उपायुक्त उद्योग जे0एन0 यादव, प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 राजकुमार, सहायक अभियंता जल निगम, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुरादाबाद में माहौल बिगाड़ने का प्रयास- गाड़ियों में तोड़फोड़, मंदिर में मूर्तियां खंडित करने की कोशिश

मुरादाबाद में रात के वक्त शरारती तत्वों ने एक के बाद एक छह कारों और एक छोटा हाथी वाहन के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद अलावा लोकोशेड पुल के नीचे स्थित मंदिर का दान पत्र तोड़ और मूर्तियां भी खंडित की। मुरादाबाद में शरारती तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। सिविल लाइंस क्षेत्र में लोकोशेड पुल के पास शुक्रवार रात घरों के बाहर खड़ी सात गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए और मंदिर में मूर्तियां खंडित करने की कोशिश की। शनिवार सुबह लोग जागे तो इस घटना की जानकारी हो सकी। इस दौरान घटनाएं से गुस्साएं लोगों ने लोकोशेड पुल पर जाम लगाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवा दिया। घटना लोकोशेड पुल से चंद्र नगर जाने वाले रास्ते की है। रोज की तरह लोग अपने वाहन घरों के बाहर खड़े करने के बाद सो गए थे। रात में

किसी समय शरारती तत्व पहुंच गए और उन्होंने एक के बाद एक छह कारों और एक छोटा हाथी वाहन के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद अलावा लोकोशेड पुल के नीचे स्थित मंदिर का दान पत्र तोड़ और मूर्तियां भी खंडित की। शनिवार सुबह लोग जागे तो घटना की जानकारी हो पाई। कुछ ही देर में आस पड़ोस के लोगों की काफी भीड़ मौके पर जुट गए और उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू की। इसी बीच कुछ लोगों ने चंद्र नगर रोड पर क्षतिग्रस्त गाड़ियां लगाकर जाम लगा दिया। पुलिस कर्मियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया तो भीड़ लोकोशेड पुल पर पहुंच गई और दिल्ली रोड पर जाम लगा दिया। इससे एक साइड के वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया है कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसाके बाद लोग शांत हो गए और दिल्ली रोड से क्षतिगस्त वाहनों को हटवा लिया। सीओ सिविल लाइंस अनूप सिंह ने बताया कि कुछ गाड़ियों के शीशे तोड़े गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। आस पड़ोस के सीसीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

डिहवा में गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अमरीक सिंह

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बहराइच- डिहवा गुरुद्वारे से निकाली गई भव्य नगर कीर्तन शोभायात्रा गुरू ग्रंथ साहिब की अगुवाई में पंज प्यारे के साथ तमाम सिख श्रद्धालु प्रेम और शांति का संदेश देते हुए यात्रा में शामिल हुए।

जगह-जगह यात्रा का स्वागत भी किया गया। आज शनिवार के दिन गुरुद्वारे से भव्य नगर कीर्तन शोभायात्रा निकाली गई नगर कीर्तन शोभायात्रा में दशमेश खालसा गतका ग्रुप ने अपना कर्तव्य दिखाया शोभायात्रा डिहवा गुरुद्वारे से चलकर धनौली, गौरा, निहालपुरवा तथा मटेरा बाजार होते हुए पुनः डिहवा जाकर समाप्त हुई नगर कीर्तन शुभ यात्रा में हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे

रविवार के दिन गुरुद्वारे में अटूट लंगर कराया जाएगा कोतवाली नानपारा इलाके के धनौली खुर्द डिहवा में मनाया जाएगा प्रकाश पर्व। डिहवा में प्रकाश पर्व पर निकाली गई नगर कीर्तन शोभायात्रा शोभायात्रा में दशमेश खालसा गतका ग्रुप के लोगों ने दिखाया कर्तव्य, सिख समुदाय के लोगों ने डिहवा, गौरा धनौली में निकाली शोभायात्रा, पुलिस बल की मौजूदगी में निकाली गई शोभायात्रा, मटेरा थाना क्षेत्र व कोतवाली नानपारा क्षेत्र के डिहवा व धनौली में निकाली गई शोभायात्रा

नेत्र जांच कैंप में कुल 112 लोगों ने कराया निःशुल्क परीक्षण

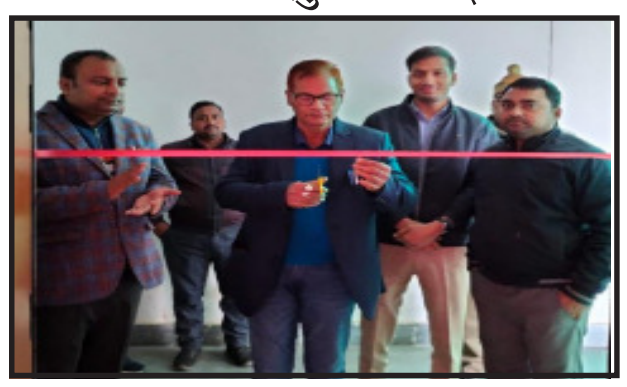

अरविन्द कुमार यादव

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- इंडियन रेडक्रास सोसायटी तहसील जमुनहा में अधिवक्ताओं, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण कैंप का आयोजन किया। इस कैंप का शुभारंभ उपजिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेम कुमार राय ने किया। इस मौके पर 112 लोगों ने अपना निशुल्क नेत्र परीक्षण कराया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी टाइटन आई प्लस बहराइच के साथ मिल कर जिले में निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन कर रहा है। कैंप के सातवें चरण में जमुनहा तहसील के अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्ताओं व वादकारियों के लिए कैंप का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ उपजिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेम कुमार राय ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी (न्यायिक) ने कहा कि जिले में वैसे तो स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कई सरकारी चिकित्सालय है। जहां लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है, लेकिन रेडक्रॉस कर्मचारियों अधिकारियों व आमजन के लिए नेत्र जांच शिविर लगा रहा है। इससे लोगों को कार्यस्थल पर ही नेत्र परीक्षण की सुविधा मिलेगी। इस कैंप में उन लोगों को ज्यादा लाभ होगा, जिसकी आंखों में मोतियाबिंद बन रहा है। उनका निशुल्क ऑपरेशन भी हो जाएगा। इस नेत्र कैंप में कुल 112 लोगों ने अपने नेत्रों की जांच कराई। इस अवसर पर तहसीलदार जमुनहा फरीद अहमद खान, नायब तहसीलदार शुभम तिवारी, टाइटन आई प्लस बहराइच के विशाल कुमार, शुभम श्रीवास्तव, रेडक्रास सोसायटी के सभापति अरुण मिश्र, प्रीतम कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसएसबी ने ग्राम सुरक्षा समितियो के साथ की बैठक

प्रेमचंद जायसवाल

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती-श्रावस्ती भारत नेपाल के सरहद पर अनैतिक कार्यो को रोकने व ग्रामीणो के साथ समन्वय तय बनाने के लिए एसएसबी ने ग्राम सुरक्षा समितियो के साथ बैठक की। सशस्त्र सीमा बल(एसएसबी) 62 वाहिनी भिन्गा के द्वितीय कमान अधिकारी संदीप कुमार जेटली ने सरहदी ग्राम पंचायत ककरदरी स्थित बटालियन चौकी पर ग्राम सुरक्षा

समितियो व अन्य ग्रामीणो के साथ बैठक की। जेटली ने कहा कि भारत नेपाल की खुली सीमा की वजह से कुछ अराजक तत्व अनैतिक गतिविधियो मे लिप्त रहते है। साथ ही मानव तस्करी, मादक पदार्थों, कीमती लकड़ियों की तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए हम सभी को समन्वय बनाकर देश हित मे कार्य करना है। क्षेत्र मे कभी भी कोई संदिग्ध या अजनबी व्यक्ति दिखाई पड़े तो उसकी सूचना हमारे जवानो को दे। जिसकी सूचना गुप्त रखी जायेगी।

जवानो के साथ सभी आमजन भी देश को प्रथम रखते हुए सहयोग करे। साथ ही जवानो को भी ग्रामीणो से मित्रवत व्यवहार के साथ कार्य करने का सुझाव दिया। साथ ही इस क्षेत्र के पिछड़ेपन, सड़क, बिजली आदि की समस्या उठने पर सम्बन्धित विभाग से बात करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर एसएसबी के ककरदरी प्रभारी उपनिरीक्षक मनोहर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक मंजीत सिंह, सहायक उपनिरीक्षक मनोहर सिन्हा, ग्राम प्रधान राजकुमार यादव, समाजसेवी मोहित गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, महेश कुमार, प्रेम कुमार, रामानंद यादव सहित एसएसबी जवान व ग्रामीण मौजूद थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com